नर सेवा ॐ नारायण सेवा

अप्रैल 2021 | संस्करण. 2 | अंक.1

स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी उत्तराखण्ड

मासिक वृतांत

कोविड केयर

स्वामी रामप्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय, हरिद्वार

SVHM सोसाइटी हमेशा उत्तराखंड राज्य में प्राकृतिक आपदाओं एवं संकट के समय में अपनी सघन भूमिका निभाते हुए सहायता और योगदान करती रही है। कोविड महामारी की दूसरी लहर ने उत्तराखण्ड राज्य को भी काफी प्रभावित किया और कोविड संक्रमण के मामलों में काफी वृद्धि देखी गयीं।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सोसाइटी ने तत्काल कार्यवाही करते हुए अपने हरिद्वार चिकित्सालय को कोविड प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए परिवर्तित कर दिया। इस कार्य में उल्लेखनीय यह है कि, "द हंस फाउंडेशन" की सहयोग से कोविड केयर में सभी सेवाएँ समस्त रोगियों को पुर्णतः निः शुल्क रूप से प्रदान की जा रही है जैसे - ऑक्सीजन सपोर्ट, वार्ड शुल्क, दवाएँ, जांचें, तीनों समय का भोजन, फल, हल्दी का दूध आदि । इनका यह योगदान हमारी कोविड देखभाल व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में काफी मददगार साबित हो रहा है।

जब तक यह मासिक वृतांत प्रकाशित होगा, तब तक सोसाइटी के तीन अन्य चिकित्सालय - धर्मावाला, नारायणकोटी और पीपलकोटी में भी कोविड केयर के केंद्र संचालित हो चुके होंगे।

कोविड ड्यूटी के लिए पूर्ण रूप से तैयार, स्टाफ हरिद्वार चिकित्सालय

निरीक्षण के दौरान मौजूद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक व अन्य। -संवाद

स्वामी रामप्रकाश अस्पताल में बढ़ाए बेड

आरएसएस पदाधिकारियों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

हरिद्वार। स्वामी राम प्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय में कोविड मरीजों के इलाज के लिए 26 और बेड बढ़ाने से इनकी संख्या 50 हो गई। रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों के साथ अस्पताल का निरीक्षण की व्यवस्थाएं देखी।

शंकर आश्रम स्थित श्री रामप्रकाश चेरिटेबल हॉस्पिटल में कोरोना संक्रमित मरीजों का उपचार हो रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों के साथ अस्पताल का निरीक्षण किया। मदन कौशिक ने कहा कि कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच गाइडलाइन का पूर्णरूप से पालन करना जरूरी है। स्वामी राम प्रकाश हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. अश्वनी कंसल ने कहा कि मरीजों के इलाज के साथ-साथ सेवा भी कर रहे हैं। मरीज को तीनों समय भोजन, एक समय फल एवं हल्दी दूध भी दे रहे हैं। इस दौरान आरएसएस के विभाग प्रचारक शरद कुमार, मिशन के मैनेजमेंट से डॉक्टर जितेंद्र, डॉक्टर नीरज आदि मौजूद रहे। संवाद

मीडिया

कोविड वार्ड का उद्घाटन महंत स्वामी रूपेंद्र प्रकाश जी महाराज (प्राचीन अवधूत मंडल आश्रम) द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में: श्री मदन कौशिक जी (प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा), श्री. सी.रविशंकर (डीएम, हरिद्वार) और डॉ. एस.के. झा (सीएमओ, हरिद्वार)

हरिद्वार कोविड केयर सेन्टर के कुछ दृश्य

प्रतिदिन ॐ उच्चारण

कोविड रोगी उपचार लेते हुए

कोविड रोगी उपचार लेते हुए

डॉ. अश्वनी कंसल द्वारा कोविड रोगी की जांच

कोविड रोगियों के आंकड़े (अप्रैल):

वार्ड में भर्ती : दिनाँक 26-04-2021 से प्रारंभ होकर 31-04-2021 तक (5 दिन)

कुल रोगी: 19

पुरुष: 13

स्त्री: 06

दान पात्र हरिद्वार चिकित्सालय में रखा हुआ

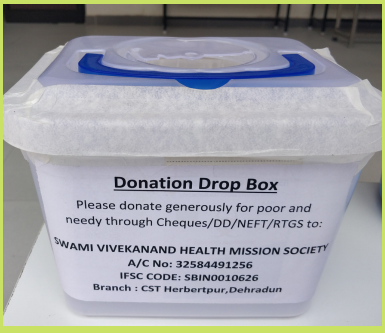

गतिविधियाँ

सामुदायिक चिकित्सा शिविर

पेटशाल

06-04-2021, 10-04-2021 & 13-04-2021

हमारे चिकित्सालय से क्रमशः 6 कि.मी., 25 कि.मी. और 10 कि.मी. की दूरी पर स्थित गोलू देवता मंदिर चितई, गुवाड़ और नैनी गाँव में तीन चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। नैनी गांव के शिविर स्थल तक पहुँचने के लिए, हमारी टीम के सदस्यों ने 3 कि.मी. की पैदल दूरी तय करते हुए दवाएँ और अन्य शिविर संबंधित साजो सामान को पहुँचाया ।

लाभार्थियों की कुल संख्या: 127

मरीज की जांच
नैनी गांव, पेटशाल चिकित्सालय

पेटशाल चिकित्सालय की टीम कैंप लॉजिस्टिक्स के साथ नैनी गांव की ओर जाते हुए

सामुदायिक स्वास्थ्य परियोजना

एनीमिया कार्यक्रम

धर्मावाला

एनीमिया चिकित्सा एवं रोकथाम कार्यक्रम के लाभार्थियों को एनीमिया के लक्षणों में सुधार दिखने लगा है । लाभार्थी पहले से अब अपने स्वास्थ्य में काफी सुधार एवं थकान, कमजोरी और सुस्ती जैसे लक्षणों में राहत महसूस कर रहे हैं। बाल एवं युवा वर्ग भी अब अपनी शिक्षा एवं अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और अपने को ऊर्जावान महसूस कर रहा है।

अप्रैल माह के आंकड़े :

संपर्क किए गए लाभार्थियों की संख्या : 107
कुल खून की जाँच : 91
एनीमिक पाए गए : 46
उपचार में : 38 (रेफर किए गए : 4; < 5 yrs)

कुल अब तक :

संपर्क किए गए लाभार्थियों की संख्या : 535
कुल खून की जाँच : 470
एनीमिक पाए गए : 285
उपचार में : 246 (रेफर किए गए : 23; <5 yrs)

स्वस्थ बच्चे स्वस्थ राष्ट्र

एनीमिया कार्यक्रम के दौरान खून की जाँच

एनीमिया कार्यक्रम में वृद्ध लोगों की भी जांच और उपचार किया जा रहा है
कुल वृद्ध महिलाओं से संपर्क किया गया: 56
रक्त परीक्षण: 53
एनीमिक पाए गए: 28
उपचार के अंर्तगत: 26

विशिष्ट आगंतुक

धर्मावाला

10 से 12-04-2021

हमारे हरिद्वार चिकित्सालय के डॉ. संजय शाह (वरिष्ठ चिकित्सक और मधुमेह विशेषज्ञ) और डॉ. तीस्ता शाह (वरिष्ठ सोनोलॉजिस्ट) ने धर्मावाला चिकित्सालय में तीन दिन की सेवाएँ प्रदान करी।

11-04-2021

मैक्स चिकित्सालय नोएडा के डॉ. शैलेंद्र कुमार गोयल (यूरोलॉजिस्ट) ने रविवार मल्टीस्पेशलिटी शिविर के दौरान अपनी स्वैच्छिक सेवाएँ प्रदान जिनमें 5 मेजर सर्जरी भी शामिल थी।

डॉ संजय शाह
(वरिष्ठ फिजिशियन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ), हमारे हरिद्वार चिकित्सालय से

डॉ शैलेंद्र कुमार गोयल
(यूरोलॉजिस्ट एवं डायरेक्टर-यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट), मैक्स हेल्थ केयर नोएडा एवं वैशाली

उत्कृष्ट उदहारण

पेटशाल

केस 1

एक 38 वर्षीय महिला को चेहरे, पीठ और छाती पर गंभीर चोटों के साथ को आपात स्थिति में लाया गया, जो की 15 फीट की ऊँचाई से गिर गई थी । जाँच करने पर पता चला कि उसकी L1 रीढ़ की हड्डी, बाईं ओर की पहली दो पसलियां और दायां जाइगोमैटिक आर्च फ्रैक्चर हो चुका था । न्यूरोसर्जन और हड्डी रोग विशेषज्ञों के ऑनलाइन मार्गदर्शन के तहत रोगी को स्थिर कर लिया और फिर आगे के बेहतर उपचार और प्रबंधन के लिए एक उच्च केंद्र में रेफर कर दिया गया।

केस 2

नजदीकी गाँव की एक 12 वर्षीय लड़की दाहिनी कोहनी पर चोट लगने के कारण हमारे चिकित्सालय में लायी गयी | एक्स-रे करने पर उसके दाहिनी कोहिनी की हड्डी का फ्रैक्चर पाया गया। तुरंत उपचार प्रदान कर उसे जरुरत के अनुसार प्लास्टर लगाया गया। उल्लेखनीय यह है की रोगी कमजोर आर्थिक स्थिति एवं कोई भी परिवहन सुविधा न होने के कारण किसी भी अन्य स्वास्थ्य केंद्र में जाने के लिए असमर्थ थी, इस परिस्थिति में समय से किए गये इस उपचार ने एक उदहारण प्रस्तुत किया ।

पेटशाल: डॉ. इलांगो (फिजिशियन) इमरजेंसी वार्ड में मरीज का इलाज कर रहे हैं

उपचार से पूर्व

उपचार के पांच महीने पश्चात

आयुर्वेद विभाग धर्मावाला

पेम्फिगस वल्गरिस केस

आयुर्वेद विभाग में पेम्फिगस वल्गरिस (त्वचा का एक रोग) की शिकायत के साथ एक 19 वर्षीय पुरुष रोगी पहुँचा । वह पिछले 5 वर्षों से इस दुर्लभ ऑटोइम्यून (autoimmune) विकार से पीड़ित था, कई क्लीनिकों और चिकित्सालयों में परामर्श लेने के बाद भी उसे राहत नहीं मिली। पेम्फिगस वल्गरिस रोग में त्वचा पर दर्दनाक फफोले बन जाते हैं ।

रोगी का इलाज आयुर्वेदिक दवायों, जड़ी बूटी युक्त स्नान और सिट्ज़ बाथ (sitz bath) पद्यति से किया गया। लगभग दो महीने के समय में पुराने घाव ठीक होने लगे, नए घाव बनने बंद हो गए और ठीक हुए घावों की पुनरावृत्ति भी रुक गई। लगभग पांच महीनों के बाद रोगी काफी हद तक ठीक हो गया अर्थात कहीं भी नया घाव उत्पन्न नहीं हुआ और न ही किसी पुराने घाव की पुनरावृत्ति हुई ।

नेत्र कुंभ केंद्र

हरिद्वार

महाकुंभ पर्व के पावन अवसर पर सक्षम संस्था के सहयोग से हरिद्वार में नेत्र संबंधित रोगों के लिए समर्पित नेत्र कुंभ का आयोजन किया गया। ऐसे कुल सात केंद्र शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित किए गए जिसमें से एक केंद्र हमारे हरिद्वार चिकित्सालय में स्थापित किया गया व् उसका उद्घाटन 16-03-2021 को हुआ ।

इस केंद्र ने अपनी अनुकरणीय सेवा अप्रैल माह में भी जारी रखी। नेत्र कुंभ में रोगियों की जाँच और इलाज के अलावा चश्में भी नि:शुल्क वितरित किए गए ।

लाभार्थियों की संख्या : 2278
वितरित किए गए चश्मों की संख्या : 1914

पंजीकरण

डॉ. नीरज सारस्वत (नेत्र रोग विशेषज्ञ)

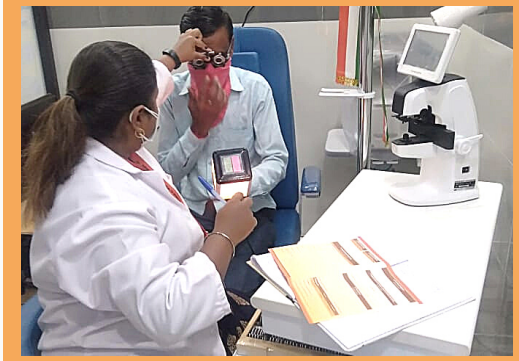

नेत्र कुंभ के दौरान नेत्र परीक्षण होता हुआ

आंकड़े

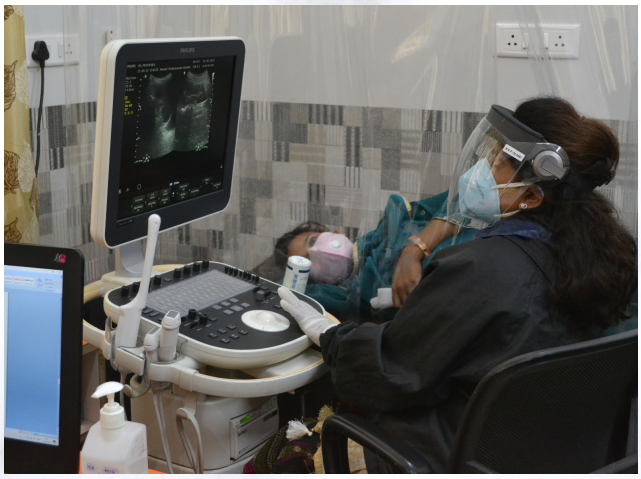

अल्ट्रासाउंड विभाग, धर्मावाला
डॉ. ताराश्री सिंघल (वरिष्ठ सोनोलॉजिस्ट)

डिजिटल एक्स रे, धर्मावाला

दंत चिकित्सा विभाग, बड़कोट
डॉ. रविन्द्र पंवार (दंत चिकित्सक)

ऑपरेशन थियेटर, हरिद्वार
डॉ. एम. एम. हमीदी (वरिष्ठ सर्जन)
(ट्रॉमा और इमरजेंसी सर्जरी विशेषज्ञ), यथार्थ चिकित्सालय नोएडा